GROUP-58(Level of Exam- Craftsman Training Scheme/CTS)

Common written examination syllabus for Steno Typist(Both languages)/ Junior Scale Steno. (Both languages)/ Senior Scale Steno. (Both languages).

- 1) General awareness, Reasoning, Mathematics, Science, History including Haryana related history, current affairs, literature, Geography, Civics, Environment, Culture etc. (Weightage 20%)
- 2) Computer terminology, Fundamentals, word software, excel software, Power point, internet, web browsing, Communication, emails, downloading and uploading data on websites etc. (Weightage 10%)

3) Subject related syllabus-

(Weightage 70%)

Various joining Consonants, vowels and its application, Pair of straight consonant, heavy and light consonants, curve strokes & horizontal strokes, two or three consonant, the various word to maintain the position of long, short, dot, dash, preceding, following & intervening vowels, long and short vowels, sign of the vowels, position of the vowel, preceding and following vowels, Intervening Vowels,.

2. Logograms, grammalogues, contraction. Distinguish between tick and dot 'the'. Dipthong and Triphone, the strokes R & H, thick R & L, abbreviated W.

Various types of H & upward SH, small circle for S & Z, Large circle for SW/large loop & small loop(ST/SD/STR). Direction of SHR & SHL and alternative forms, Double Consonant, direction of the double consonant. Curved hook and compound consonant, curved hooked strokes, alternative forms of curved strokes, different types of hook, Use of shun after circle, Use of shun after certain strokes. ,Halving Principles. Use halving strokes for T& D, Use halving of MP/MB/NG hooked. Doubling Principles, Use Doubling of strokes for T or D. Use Doubling of MP/MB/NG & L, prefixes , suffixes, monetary units , contraction, essential vowels.

व्यंजनों का वर्गकमानुसार प्रयोग एवं व्यंजन रेखाओं को मिलाने का प्रयोग।

दीर्ध एवं लधु स्वरों का प्रयोग, बिंदु एवं डैश स्वरों का प्रयोग, माध्यमिक स्वर इत्यादि का प्रयोग आदि। पूर्व एवं पश्च स्वर।

शब्द चिहन संक्षिप्ताक्षर एवं वाक्याशों का, शब्दाक्षर, क्रिया विभक्तियों का प्रयोग एवं हैं का प्रयोग

दविस्वर / दो स्वरों का प्रयोग, द्विस्वर एवं त्रिस्वर का प्रयोग, द्विस्वर एव त्रिस्वर संबंधी, त्रिस्वर चिहनों पर अनुस्वार शब्दचिहन एवं वाक्यांशों इत्यादि में द्विस्वर व शब्दाक्षर त्रिस्वरों का प्रयोग।

त वर्ग का प्रयोग श्व्यंजनों की वैक्लिपक रेखाओं का, ह, ल, र, प्रयोग।

अर्धस्वर वय के अर्दवृत्त प्रयोग।

छोटे वृत्तों के प्रयोगमाध्यमिक एवं अंतिम, आरम्भिक वृत्त स, ज के प्रयोग। भा, वृत्त स

बड़ा वृत्त, सश, अंतिम सस/आरम्भिक स्व तथा माध्यमिक–सज आदि का प्रयोग।

अंडाकार वृत्त या छोटा लूप बड़ा अंडाकार वृत्त, स्ट, स्थ, स्त, स्टर के प्रयोग।/स्तर

अनुनासिक व्यंजन अनुस्वार एवं अनुनासिक स्वर अनुनासिक्य का प्रयोग।

व्यंजन रेखाओं पर आरम्भिक हुक (अंकुश), आरम्भिक र तथा ल के प्रयोग।

अंतिम हुक नय हुकों का प्रयोग। /व/फ, ण/

अंतिम बडे हुक या शन संयुक्त वयंजनों का शण का प्रयोग, अभ्यास एवं अर्धवर्क्त य तथा व का प्रयोग। अर्धकरण सिद्धांत — व्यंजन रेखाओं को साधारण लंबाई से आधा कर एवं अन्य व्यंजन जोडना।

द्विगुण सिद्धांत — व्यंजन रेखाओं को दुगुना कर उनमें कर/कार/दर/दार/तर/तार/टर/डर इत्यादि व्यंजनों का योग।

उपसर्ग, प्रत्यय की प्रतिनिधि रेखाओं, मुद्राओं का प्रयोग एवं वाक्यांशों का प्रयोग।

Important Note: The Weightage as mentioned against the syllabus is tentative & may vary.